प्रमुख कृतियाँ–**उसके हिस्से की धूप, अनित्य, चित्तकोबरा, कठगुलाब** (उपन्यास); **संगति-विसंगति** (दो खंडों में संपूर्ण कहानियाँ);**रंग-ढंग, चुकते नहीं सवाल** (निबंध-संग्रह)।

जगदीश चंद्र माथुर
(सन् 1917-1978)

सुपरिचित नाटककार जगदीश चंद्र माथुर का जन्म खुर्जा (उत्तर प्रदेश) में हुआ और शिक्षा इलाहाबाद विश्वविद्यालय से। बचपन से ही नाटकों में रुचि होने के कारण स्कूल, कॉलेज के सांस्कृतिक उत्सवों में नाट्य लेखन, निर्देशन और अभिनय करते रहे। आगे चलकर यही शौक सृजन में परिणित हो गया।

जगदीश चंद्र माथुर के नाटकों में विविधता है। ऐतिहासिक नाटकों के साथ-साथ उन्होंने सामाजिक समस्याओं से जुड़े एकांकी-नाटक लिखे हैं। उनके कुछ व्यंग्य प्रधान एकांकी चर्चित रहे हैं।

प्रमुख कृतियाँ–**कोणार्क, दशरथ नंदन, शारदीया, पहला राजा** (नाटक); **भोर का तारा, ओ मेरे सपने** (एकांकी-संग्रह)।

विद्यासागर नौटियाल
(सन् 1933-2012)

समसामयिक कथा-लेखक विद्यासागर नौटियाल का जन्म माली देवल गाँव (टिहरी गढ़वाल, उत्तरांचल) में हुआ और उच्च शिक्षा वाराणसी से।

पहाड़ी जीवन विशेषकर टिहरी गढ़वाल के जीवन-यथार्थ के कुशल चितेरे नौटियाल जी की कथा-भाषा में मिट्टी की सौंधी गंध रची-बसी है।